सत्यमेव जयते

LOTHA YITSÜTSA

लोथा भाषा प्रवेशिका

LOTHA PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें	क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें	स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें	लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें	उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें	अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी	पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें	क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें	कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें	क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

LOTHA YITSÜTSA

लोथा भाषा प्रवेशिका

LOTHA PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

LOTHA YITSÜTSA
लोथा भाषा प्रवेशिका
LOTHA PRIMER

A basal reader of Lotha alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika /Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Aleendra Brahma
Gayotree Newar

ISBN: 978-81-19411-50-4

First Edition: March 9, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: G. Yuvaraj
Cover Photo: Nzanmongi Z Ezung

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार

Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के मार्ग का प्रमुख अवयव भारतीय भाषाएँ हैं, जिनसे ज्ञान-विज्ञान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच देश के समस्त बच्चों तक सुनिश्चित हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफ़ारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब छात्रों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसीलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की आवश्यकता है।

अतः हमने एन.सी.ई.आर.टी तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा/ओं तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं) प्राइमरों(का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये पुस्तिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों, जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मार्च, 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषीक देश रहा है, जहाँ विभिन्न क्षेत्रों में कई भाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक सामान्य विशेषता है कि हम अपने मौखिक भंडार में कई भाषाओं का उपयोग करते हैं और उनका आनंद लेते हैं, जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। एनईपी 2020इस विचार का गहन उदाहरण है कि भारत की बहुभाषी प्रकृति एक महत्वपूर्ण संपत्ति और ताकत है जिसे देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह हर स्तर पर शिक्षा में बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करता है ताकि शिक्षार्थियों को अपनी भाषा में अध्ययन करने का अवसर मिल सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री बनाने से इस बहुभाषी सम्पदा को बढ़ावा मिलेगा और यह'विकसित भारत' के दृष्टिकोण में बेहतर योगदान दे सकेगी। एनईपी 2020के अनुरूप प्रारंभिक श्रेणी के प्राइमरों को विकसित करने के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो भारत में प्रत्येक क्षेत्र की अद्वितीय भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं को संबोधित करता है। इन प्राइमरों का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में दक्षता प्रदान करना और रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। ये प्राइमर बच्चों को ईन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी परिचित कराते हैं जो उनके संयोजनों , जैसे शब्द में उनकी आरंभिक , माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं और अंतत :ये पाठ में बताए गए अक्षर के लेखन के अभ्यास के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं । ये तुकबंदियाँ और गाने बच्चों को उनकी भाषा के विकास तथा संज्ञानात्मक कौशल और स्मृति में सुधार में मदद करेंगे।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keep us united. NEP 2020 strongly conveys the idea that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognizing, comprehending letters and symbols of a language. It also familiarizes the children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced in the chapters; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills as well as memory improvement.

मार्च, 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Lotha Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology, NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Member Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Co- Coordinator

Naroti Jamir, Research Associate, State Council of Educational Research and Training, Nagaland, Kohima

Resource Persons

Yantsubeni Ngullie UNB-B, Burma Camp, Rainbow, Dimapur, Nagaland

Nzanmongi Z Ezung, PhD scholar, Centre for Naga Tribal Language Studies, Nagaland University, Nagaland

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) Bodo, North Eastern Regional Language Centre, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

HOW TO USE LOTHA PRIMER

The National Education Policy 2020 and the National Curriculum Framework, 2022, focus on the importance of imparting education to children aged three to eight years, in their mother tongue, home language, local language and regional language. This primer has been specially designed and prepared for the development of oral language of children and to ensure that a child understands, learns and communicates without any hesitation. To enhance children's oral language skills, short songs or rhymes consisting of two to three sentences have been included in each of the individual letter lessons. Teachers can engage children in discussions by singing and reading these songs or rhymes aloud. Keeping in mind the three language formula, and India being a linguistically diverse country, this primer also helps children in learning words not only in their mother tongue but also gets familiarise with another language. For example, the word **Azüm** in Lotha is translated into English as 'rat'. This enables children to enhance their knowledge and at the same time, accept about India and its diversity from their tender age. Apart from language learning, this book also introduces sounds, alphabets, reading and writing practice for the children.

Sound Introduction: Children will say the name of the object after seeing the picture. The teacher will ask, what sound does the name of the picture begin with? For instance, after seeing the picture *Azüm*, children will recognize that it starts with the sound of A.

Alphabet Introduction: The teacher will first tell the children, how the alphabet A looks. A Child will be asked to identify the letter A from some given words. Out of three to four words, children will pronounce the sound of the letter A and practice writing the letter A.

Reading: Children will look at pictures and say words in their own language. Children will read Azüm by moving their fingers from left to right of that word. By reading other words, especially the words where A occurs, children will recognize and pronounce A. The teacher will talk about the occurrence of A at the beginning, middle, and end of the word. While reading A on the blackboard, the teacher will also write three-four other words along with the word Azüm. Will call the children one by one.

To introduce alphabets, words, and sounds to the child, the primer attempts to make use of the words, which are familiar to children. The child will be able to recognize these words by looking at the pictures in the book. The child will feel comfortable reading this primer in their own language. The teacher will write a word and ask children to read each letter of it separately and to read the word by joining the letters, as well. When a child reads a word, other children will join him and repeat the word, this is called 'collective reading'.

Writing: Teachers will first teach children to write A of the word Azüm. The teacher will demonstrate how to move the pen to write from left to right. This is called supporting writing. After that, the children will write A themselves after looking at the other letters in the blank space given in the book. Teachers will assist children while they are reading and writing.

For the development of the oral language of children, small poems of three to six sentences have been written on each page. The teacher will discuss it with the children by singing and reading it. After reading the children's storybook available in the school library, the teacher will discuss the story in the children's language. Remember, one should tell stories and poems to the children in their mother tongue.

Oküpoe ejüngi elio jianglo esüng jiang zeta nsüngria :

Nsako ndonkao :

Nsako yipchio :

Mphio 1 :

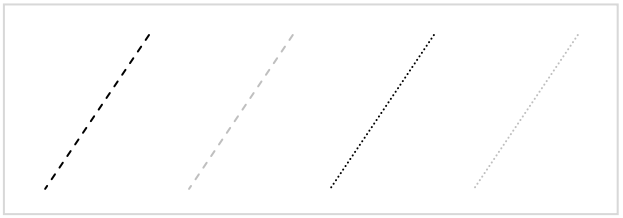

Mphio line 2 :

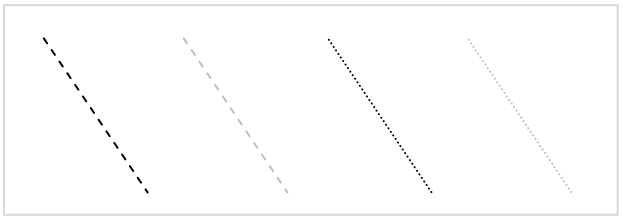

khayungo 1 :

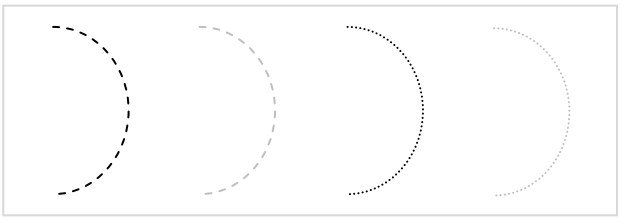

khayungo 2 :

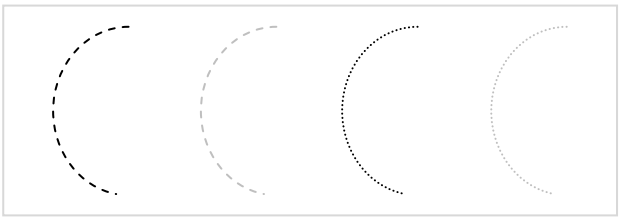

Ntsita: Püngnoe jiangna, ejüngi elio jilo nonghori khelo eranphen ji rhümayisi esüng eri jiang nsüngri khyoa.

LOTHA YITSÜNGRAN

(Lotha Alphabet)

VONJÜO YITSÜNGRAN

(Vowel Letters)

A E I O U Ü

VONJÜNG YITSÜNGRAN

(Consonant Letters)

B C D F G H

J K L M N P

Q R S T V W

X Y Z

A

Azüm

Rat

Ata soka la, ata soka la.

Azum jina khe zum tsüng ji tso khan thaka.

Kyakshak jina kya kya to khfüa yisecho.

Akao	Kyashak	Aka
Parrot	Crow	My sister

A A A

B

Beno

Fly

Ha mmhonile, ha osi ji tona ke. Ha sükying ethan mmhayi le.

Bakbakvü jina bak bak khfüa koi shümchücho.

Belüng

Bed

Babakthi

Tomato

Bakbakvü

Traditional gun

B B B

C

Cena

Loofah
(of sponge gourd)

O choro choro vona vona vona oyi amotsü phari jilo oyi vonthe.

Yamo chümpo lümtav yanayile yanayile.

Chümpo
Morung

Chükcha
Broom

Choro
Moon

C C C

D

Dekho

A traditional basket

Odon ji donphyak na donphyak.

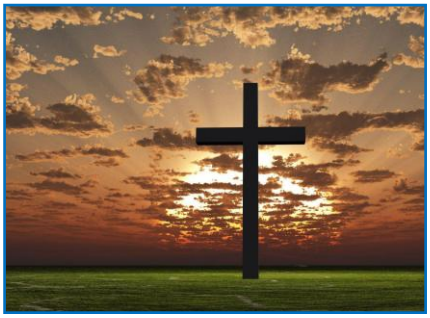

Donkho	Donphen	Odon
Headgear	Cross	Forehead

D D D

E

Echo

Wings

Oyo jina echo ji chümkai hansi pya chüngi sicho.

Ete hono jina, honoejü ejüi lia. Püngnoe jina ekhaeyan jiang shikala.

Ejü	Ekhaeyan	Püngnoe
Egg	Student	Teacher

E E E

F

Füro

Dog

Ekümrüm rhümtsoni,
Ekümrüm rhümtsoni.

Füro jina haoo haoo to rhyucho

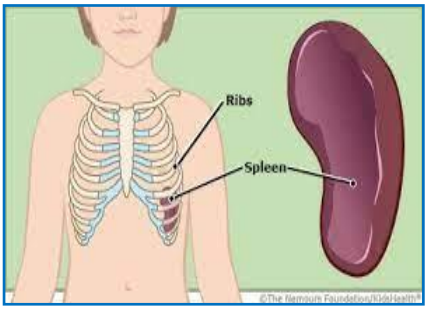

Füli	Füfo	Lifü
Spleen	Cowrie	Gourd

F F F

G

Gongo

Himalaya

Oho yio, oho o yio ohole o yio ango jo shoto yipalo oho yio.

Ngaro jina gogo ji gorok gorok to khfüa tsümcho.

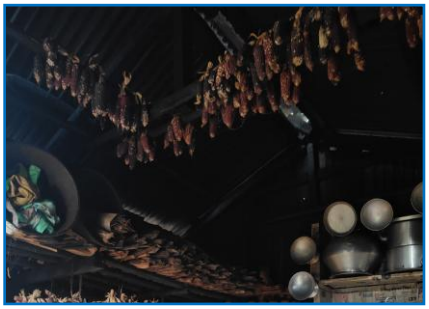

Gogo	Ongo	Gosüng
Drinks	Brother	Railing

G G G

H

Hapvüro

Crab

Nzantio hapvüro lantsa woa woa.

Oyohan jiang ora na yoro thaka.

Hono	Hajang	Oyohan
Hen	Sand	Vegetables

H H H

I

Iza

Bamboo

Pi pi pio, pi pi pio ni ovon tsona mmhon liha ni ntsük jo thenpvürang thenpvürang.

Likya thera ji lilani na kyina.

Ichiro	Likya	Yipi
Sparrow	Orchid	Black bird

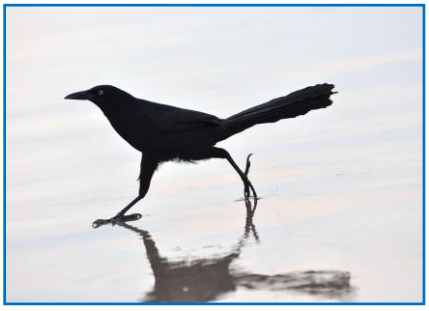

I I I

J

Jokhüp

Shoe

Jüthan joro le dong Jühan joro le dong.

Ojü ji yua yua erücho.

Jakhvü	Ojü	Jüli
Toad	Water	Terrace

J J J

K

Kako

Book

Ngaro jina Kako ji khala.

Khongko li joroa to sanati nizov ka.

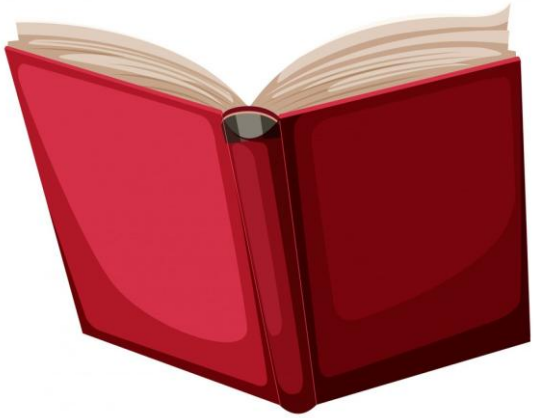

Kyakiro

Snail

Kongken

Orange

Khongkho

Cotton

K K K

L

Lomo

Leaf

Choko choko choko
Choko choko choko
Ni motsüng jo liko ramüng kvüta ni vichola.
Lüplyu ji na osü ji lüpro thaka.

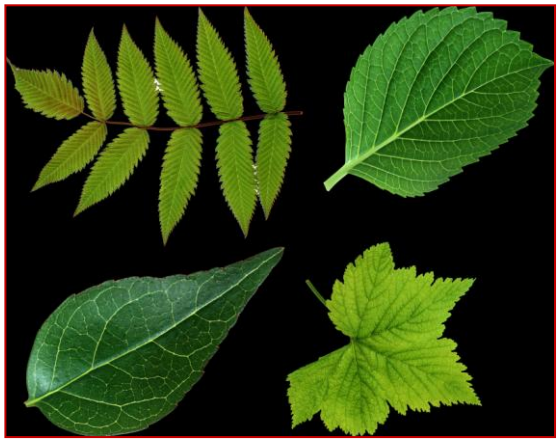

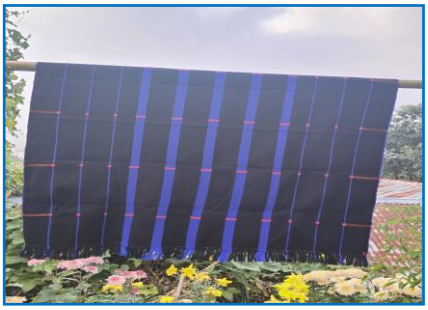

Lonpensü
Shawl

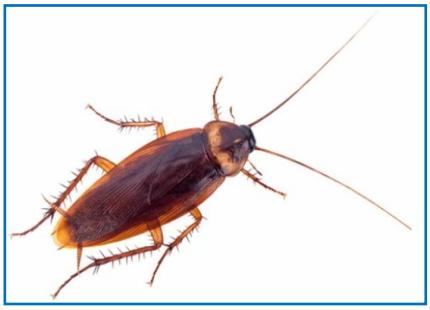

Lüplyui
Cockroach

Lelelum
Falcon

L L L

M

Mangsü

Cow

Mangsü jina maa.. maa.. to khfüla.

Hümri tona mani to omi na ri tsotacho.

Mani	Omi	Hümri
Yam	Fire	Bread

M M M

N

Nrü

Snake

Nrü jina phari nra jilo phakai vancho.

Honojü Onga ji enhünga tsoa.

Nagsü

Dryfish

Malanthi

Wild-apple

Onga

Egg-yolk

N N N

O

Oki

House

Oki hapo jilo thera rakiv kyia vancho.

Jokhüp jina khüp khüp to khfüa ovon tssoala.

Oli	Woro	Jokhüp
Field	Bird	Shoe

O O O

P

Paying

Spider

Paying jo zoni vana la.

Phopha ji ronkai chungo cho.

Thepvü jina füropvü ji tso cho.

Phopha	Thepvü	Tsitsüp
Ladder	Tick	Spoon

P P P

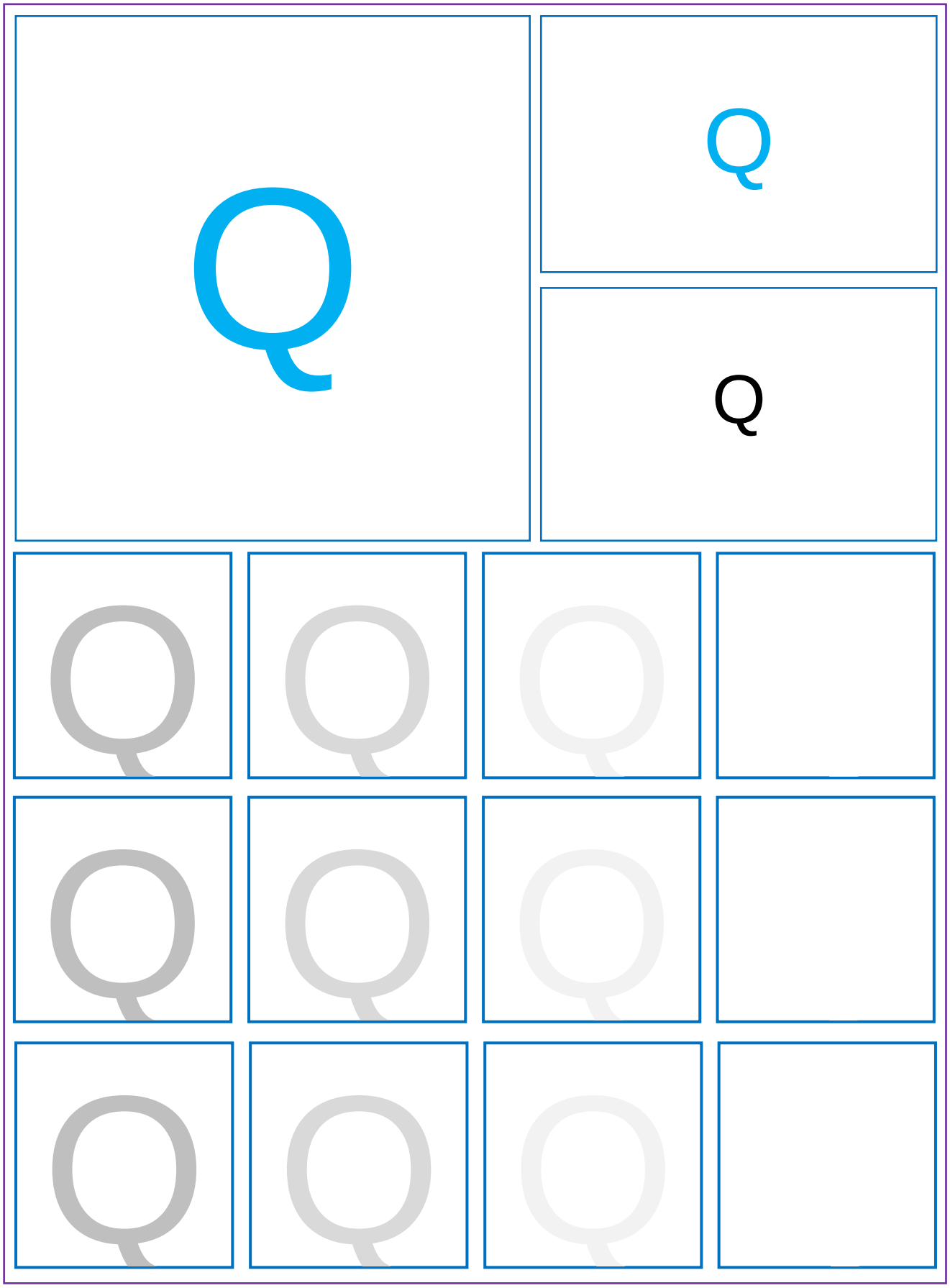
Q
Q
Q
Q
Q
Q
Q
Q
Q
Q
Q
Q
Q
Q
Q

R

Rüjüng

Hornbill

Yamo khyingro rüjüng hanpong ratsao.

O choro choro vona vona vona oyi amotsü phari jilo oyi vonthe.

Rapvü
Bamboo mug

Thera
Flower

Choro
Moon

R R R

S

Süngrüka

Rainbow

O Süngrüka Süngrükao sünga sünga oyi amotsü pharilo oyi süngthe.

Choro tona shantio tojo onjeni.

Shantio	Osüng	Sevan
Star	Ginger	Bear

S S S

T

Tezhü

Flea

Ni ji thera salivo jithüng na rhoni ni khiv.

Khoterang jo oli rhonathüng tsütsa tala

Thera

Flower

Toromoza

Watermelon

Khoterang

Spade

T T T

U

yuken

Bamboo sheath

Yuken jina okong nsüngrüala

Yuken jina charücharü nsüngrüala

Ekyuv	Okyu	Jalyu
Danger	Hen	Earthworm

U U U

Ü

Züphenkok

Calculator

Züphenkok ji khi zütüng züriala.

Osü jo ejüm pyon na jümi lia.

Ohan ji tsüpvü elhüp khi lhüpi vata.

Ejüm	Elhüp	Ejü
Blue	Lid	Egg

Ü Ü Ü

V

Velongü

Owl

Velongvü na khvüa na elüm rhiyiala.

Vajo	Ovü	Hakütv
Taro steam	Frog	Yellow

V V V

W

Woko

Pig

Woro jina pipi pio pipi pio to khfüa pya yisicho

Mani vo jina vawo kümi tsotala.

Woro	Vawo	Potsüwe
Bird	Dried yam leaf	Heaven

W W W

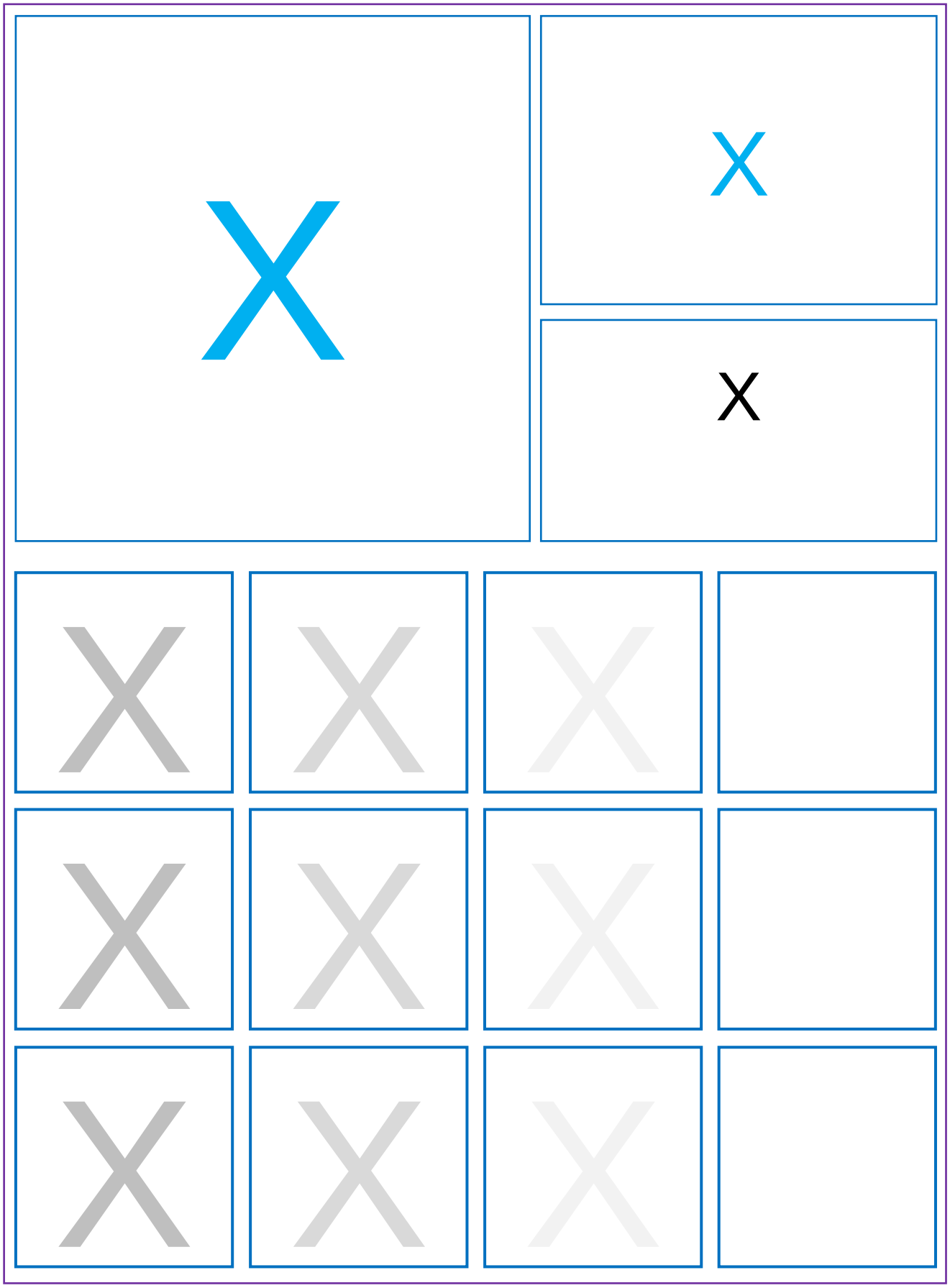
X
X
X
X
X
X
X
X
X
X
X
X

Y

Yuthi

Banana

Yuthi ji vümi janta tsotacho.

Soyi openro na soliha kya pvü liha kya toka tüki lo enhokai yipa...

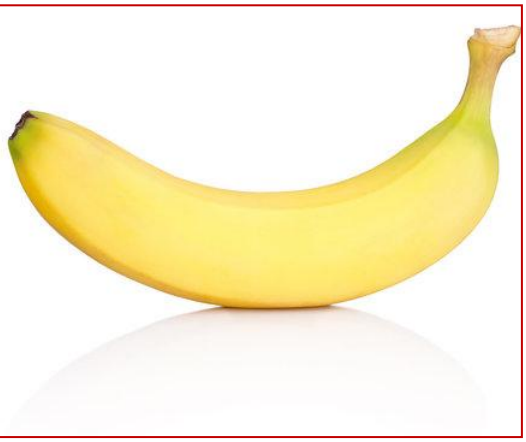

Yakso	Oyo	Yuro
Monkey	Mother	Cicada

Y Y Y

Z

Züvothi

Fig

Züvothi ji thi thi han?
Juzanjo jina zanjoa mongala.
Oso jo ozü na ozü noni lia.

Zotoro	Jüzanjo	Ozü
Vehicle	Waterfall	Flesh

Z Z Z

MVÜCHAK ETSÜNGTAV KA

1	MOTSÜNGA	
2	ENI	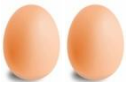
3	ETHÜM	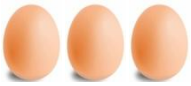
4	MEZHÜ	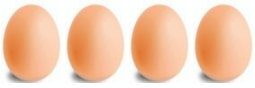
5	MONGO	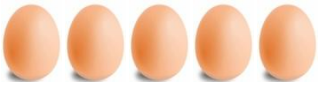
6	TIROK	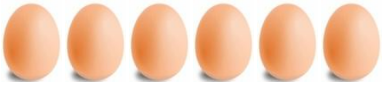
7	TIYING	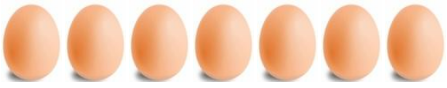
8	TIZA	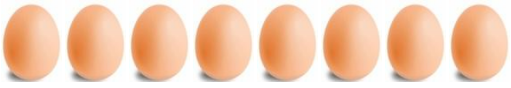
9	TOKVÜ	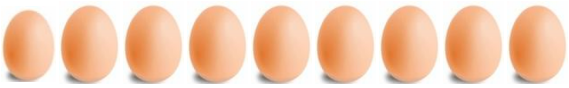
10	TARO	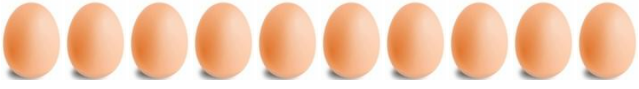

11	TARO EKHA	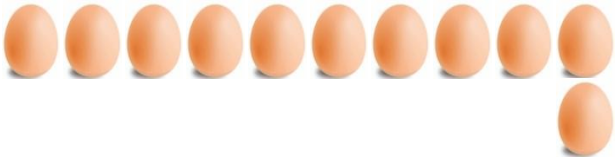
12	TARO ENI	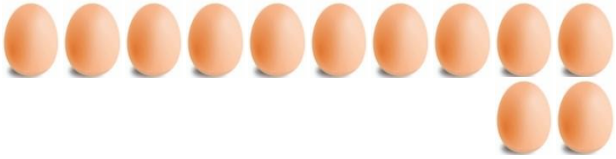
13	TARO ETHÜM	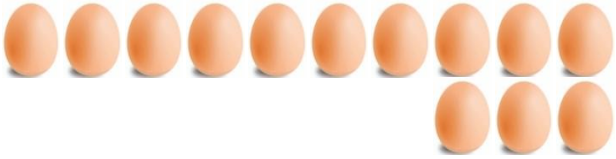
14	TARO MEZHÜ	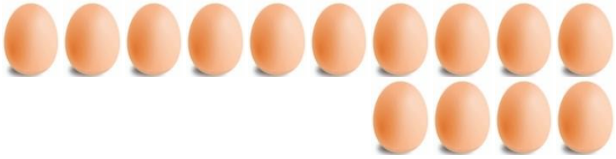
15	TARO MONGO	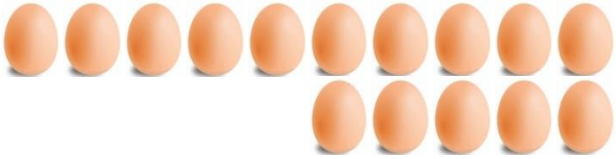
16	TARO TIROK	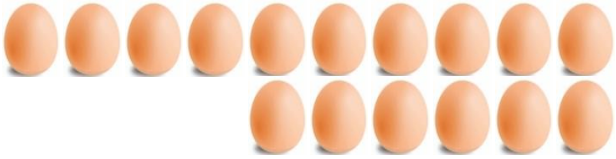
17	TARO TIYING	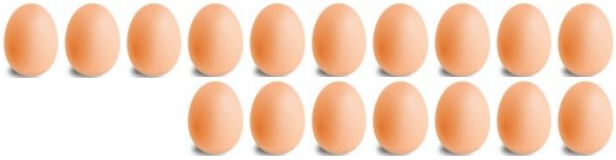
18	TARO TIZA	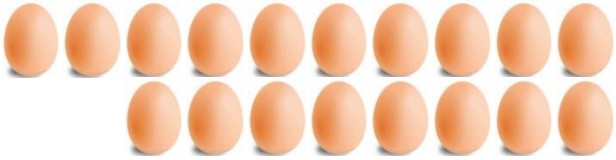
19	TARO TOKVÜ	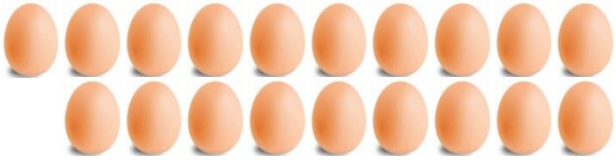
20	MIKYU	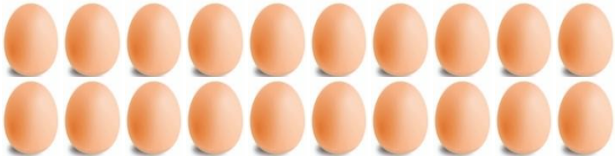

MÜCHAK JIANG ERANA :

1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

EHÜMYI KONKAV

(English Alphabet)

A	B	C	D
E	F	G	H
I	J	K	L
M	N	O	P
Q	R	S	T
U	V	W	X
	Y	Z	

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT (Phase-1)

SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages
1	ASSAMESE
2	BENGALI
3	BODO
4	DOGRI
5	GUJARATI
6	HINDI
7	KANNADA
8	KASHMIRI

Sl. No.	Languages
9	KONKANI
10	MAITHILI
11	MALAYALAM
12	MANIPURI
13	MARATHI
14	NEPALI
15	ODIA
16	PUNJABI

Sl. No.	Languages
17	SANSKRIT
18	SANTALI
19	SINDHI
20	TAMIL
21	TELUGU
22	URDU

NON - SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages
1	ADI
2	ANAL
3	ANGAMI
4	AO
5	BHILI (VASAVA)
6	BHUTIA
7	BISHNUPRIYA MANIPURI
8	DEORI
9	DIMASA
10	GADABA (GUTOB)
11	GARO
12	HALBI
13	HMAR
14	JATAPU (KUVI)
15	JUANG
16	KABUI
17	KARBI
18	KHANDESHI
19	KHARIA

Sl. No.	Languages
20	KINNAURI
21	KISAN (KUNHU)
22	KODAVA
23	KOKBOROK
24	KOLAMI
25	KONDA
26	KORKU
27	KORWA
28	KOYA
29	KUI
30	KUKI
31	KURUKH
32	KUZHALE (KHEZHA)
33	LEPCHA
34	LIANGMAI
35	LIMBU
36	LOTHA
37	MAO
38	MISHMI (IDU)

Sl. No.	Languages
39	MISING
40	MIZO
41	MOGH
42	MUNDARI
43	NYISHI (NISSI)
44	RABHA
45	RAI
46	SHERPA
47	SAVARA (SORA)
48	SÜMI (SEMA)
49	TAMANG
50	TANGKHUL
51	TANGSA
52	TIWA (LALUNG)
53	TULU
54	WANCHO

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी NCERT
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in